



Total No. of Printed Pages – 3

APPM
NAGPURI LANGUAGE AND LITERATURE

नागपुरी भाषा और साहित्य

SUBJECT CODE : 14

विषय कोड : 14

PAPER – IX

पत्र – IX

Full Marks : 100

पूर्णांक : 100

Time : 3 Hours

समय : 3 घण्टे

निर्देश : सब भाग से एक-एक सवाल कर जबाब देउ –
सभे भाग कर सवाल कर अंक सामने देल आहे ।

भाग-क

15

1. देवनागरी लिपि कर उद्भव आउर विकास कर वर्णन करू ।

चाहे

नागपुरी भाषा कर का विशेषता आहे, वर्णन करू ।

भाग-ख

15

2. नागपुरी लोक साहित्य कर विशेषता के वर्णन करू ।

चाहे

नागपुरी लोक कथा कर उद्भव आउर विकास कर वर्णन करू ।

भाग-ग

15

3. नागपुरी पद्य साहित्य कर विशेषता कर वर्णन करू ।

चाहे

नागपुरी गद्य साहित्य कर समाज में का प्रभाव पड़ेल वर्णन करू ।

APPM

Paper-IX


भाग-घ
15

4. योगेन्द्र नाथ तिवारी चाहे नईम उद्दीन मिरदाहा कर साहित्यिक परिचय देउ ।

चाहे

मधुमंसुरी आउर मुकुन्द नायक कर संगीत साहित्य कर वर्णन करू ।

भाग-ङ
15

5. हेंठे देल में से एगो बिषय उपरे निबन्ध लिखू ।

(क) अखरा

(ख) सहिया आउर मदइत

(ग) बेरोजगारी

(घ) नागपुरी भाषा कर महत्व

(ङ) पर्व-त्योहार

भाग-च
5

6. हेंठे देल गद्यांश कर शीर्षक देउ आउर इकर संक्षेपण करू -

हँडिया आदिवासी आउर सदान मनक पवित्र आउर सांस्कृतिक पेय पदार्थ हेके । पूर्वज मन प्रसाद स्वरूपे इके ग्रहण कराएँना, हँडिया आउर सोम रस कर गुण एक बराबइर लखे आहे । हँडिया आनन्द, उमंग उत्तेजना, उत्साह, बलवर्द्धक, स्वस्थ राखेवाला चीज हेके । ई गोतिया मनक मान सम्मान कर अलावे समाज में रिझ-रंग कर महत्वपूर्ण पदार्थ हेके ।

भाग-छ
10

7. हेंठे देल गद्यांश कर नागपुरी में अनुवाद करू -

कहते हैं राजा के घर में भी नमक घट जाता है । कहने का मतलब कि जीवन में एवं घर में कभी-कभी किसी आवश्यक वस्तु का घट जाना या समाप्त हो जाना आश्चर्य का विषय नहीं है । जाने-अनजाने कभी-कभी घर में चीनी, नमक, चायपत्ती, मिर्च, दाल-चावल, माचिस आदि घट जाते हैं । इसके कई कारण हो सकते हैं एक तो सावधानी न बरतने, या भूल जाने से यह समस्या होती है । इसका निराकरण झारखंड के सदान-आदिवासी जो करते थे वही पँइचा कहलाता था । या अभी भी कहलाता है ।



8. हेंठे देल अनुच्छेद से पाँच में से तीन सवाल कर जबाब देउ -

माटी आउर भाखा मेसाए के संस्कृति बनेल । संस्कृति, लोक मानस कर चेतना के बनाए राखेल । प्रकृति आउर संस्कृति में हुक्का-चिलम कर संबंध होएल । प्रकृति कर मोताबिक चेतना जागृत होएल आउर एहे चेतना संस्कृति कर निर्माण करेल । जिनगी जिएक में जे सउब ले बेस चीज व्यवहार-विचार में पाएल उखे संस्कृति रूपे ढाड़ देल । संस्कृति आउर कोनो ना लागे लोक चेतना कर सउब ले बड़ उपलब्धि हेके । संस्कृति कोनो समाज कर जिएक कर सउब ले सुन्दर कला हेके, जेके लोक चेतना जोगाए-बचाए के राखेल आउर आपन नवाँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी के देते जाएल ।

- (क) लोक मानस कर चेतना के बनाए के के राखेल ?
- (ख) लोक चेतना कर सउण ले बड़ उपलब्धि का हेके ?
- (ग) कोनो समाज कर जिएक कर सउण ले सुन्दर कला का के कहैना ?
- (घ) सुन्दर कला के का जोगाए-बचाए के राखेल ?
- (ङ) केकर मोताबिक चेतना जागृत होएल ?